उत्तराखंड/उत्तर प्रदेश का प्रथम द्विभाषीय (हिन्दी-अंग्रेजी) सांध्य दैनिक समाचार पत्र

जनमत टुडे

वर्ष:12 | अंक:337 | देहरादून, सोमवार, 20 दिसंबर, 2021 | पृष्ठ:08

देश की अर्थव्यवस्था में पशु पालन का महत्वपूर्ण स्थानः डॉ अरविंद कुमार

दीपक गौड़ (जनमत टुडे)

कानपुरः चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के प्रसार निदेशालय में पशु स्वास्थ्य एवं पशुपालन में नवीन विकास विषय पर दो दिवसीय वैज्ञानिक कार्य क्षमता विकास प्रशिक्षण का आज शुभारंभ हुआ कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ अरविंद कुमार सिंह ने कहा कि भारत जैसे कृषि प्रधान देश में पशुपालन का महत्वपूर्ण स्थान है।

उन्होंने कहा कि विश्व की कुल गायों की संख्या के स्तर से देखा जाए तो हमारा देश इनकी संख्या के मामले में प्रथम स्थान रखता है जबकि बकरियों व भैंसों के मामले में द्वितीय और तृतीय स्थान पर हैं वहीं अंडा उत्पादन के मामले में तृतीय स्थान पर है उन्होंने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था में कृषि का योगदान 18% है उसमें पशुपालन का योगदान एक तिहाई से भी अधिक है इस प्रशिक्षण के अवसर पर पशुपालन विभाग के डॉक्टर योगेंद्र गुप्ता ने पशुओं में होने वाले प्रमुख रोग एवं नियंत्रण विषय पर विस्तार से जानकारी दी विश्वविद्यालय के पशुपालन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ पीके उपाध्याय ने गाय एवं भैंसों में नस्ल सुधार विषय पर विस्तार से बताया विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ वेदप्रकाश ने पशुओं में होने वाली बीमारियों से बचाव विषय पर जानकारी दी। प्रोफेसर डॉ एमपीएस यादव ने दुग्ध विपणन एवं प्रसंस्करण विषय पर विस्तार से प्रतिभागियों को बताया सभी अतिथियों का स्वागत डॉक्टर पीके राठी ने किया जबकि प्रशिक्षण समन्वयक डॉ एस बी पाल ने प्रशिक्षण की रूपरेखा विस्तार से प्रस्तुत की अतिथियों को धन्यवाद डॉक्टर सुभाष चंद्रा ने किया कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर एफबी पाल ने किया इस अवसर पर डॉ धनंजय सिंह, डॉक्टर सोहनलाल वर्मा, डॉक्टर अनिल कुमार सिंह सहित अन्य अधिकारी एवं 25 से अधिक विभिन्न कृषि विज्ञान केंद्र से आए कृषि वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

विशाल प्रदेश हिन्दी दैनिक

कानपुर, मंगलवार 21 दिसम्बर 2021

कानपुर 6

कृषि प्रधान देश में पशु पालन का महत्वपूर्ण स्थान : डॉ अरविंद

कानपुर(विशाल प्रदेश)सीएसए के प्रसार निदेशालय में पशु स्वास्थ्य एवं पशुपालन में नवीन विकास विषय पर दो दिवसीय वैज्ञानिक कार्य क्षमता विकास प्रशिक्षण का शुभारंभ हुआ कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ अरविंद कुमार सिंह ने कहा कि भारत जैसे कृषि प्रधान देश में पशुपालन का महत्वपूर्ण स्थान है उन्होंने कहा कि विश्व की कुल गायों की संख्या के स्तर से देखा जाए तो हमारा देश इनकी संख्या के मामले में प्रथम स्थान रखता है जबकि बकरियों व भैंसों के मामले में द्वितीय और तृतीय स्थान पर हैं वहीं अंडा उत्पादन के मामले में तृतीय स्थान पर है उन्होंने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था में कृषि का योगदान 18इ है उसमें पशुपालन का योगदान एक तिहाई से भी अधिक है इस प्रशिक्षण के अवसर पर पशुपालन विभाग के डॉक्टर योगेंद्र गुप्ता ने पशुओं में होने वाले प्रमुख रोग एवं नियंत्रण विषय पर विस्तार से जानकारी दी विश्वविद्यालय के पशुपालन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ पीके उपाध्याय ने गाय एवं भैंसों में नस्ल सुधार विषय पर विस्तार से बताया विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ वेदप्रकाश ने पशुओं में होने वाली बीमारियों से बचाव विषय पर जानकारी दी प्रोफेसर डॉ एमपीएस यादव ने दुग्ध विपणन एवं प्रसंस्करण विषय पर विस्तार से प्रतिभागियों को बताया सभी अतिथियों का स्वागत डॉक्टर पीके राठी ने किया जबकि प्रशिक्षण समन्वयक डॉ एस बी पाल ने प्रशिक्षण की रूपरेखा विस्तार से प्रस्तुत की। अतिथियों को धन्यवाद डॉक्टर सुभाष चंद्रा ने किया कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर एफबी पाल ने किया इस अवसर पर डॉ धनंजय सिंह, डॉक्टर सोहनलाल वर्मा, डॉक्टर अनिल कुमार सिंह सहित अन्य अधिकारी एवं 25 से अधिक विभिन्न कृषि विज्ञान केंद्र से आए कृषि वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

लखनऊ संस्करण
वर्ष-06, अंक -59
मंगलवार, 21 दिसंबर 2021
पृष्ठ-12
मूल्य-3 रुपये
दैनिक भास्कर
देश का सबसे विश्वसनीय अखबार
For epaper : www.dainikbhaskarup.com

कृषि प्रधान देश में पशु पालन का महत्वपूर्ण स्थान : डॉ अरविंद

भास्कर ब्यूरो

कानपुर। सीएसए के प्रसार निदेशालय में पशु स्वास्थ्य एवं पशुपालन में नवीन विकास विषय पर दो दिवसीय वैज्ञानिक कार्य क्षमता विकास प्रशिक्षण का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ अरविंद कुमार सिंह ने कहा कि भारत जैसे कृषि प्रधान देश में पशुपालन का महत्वपूर्ण स्थान है उन्होंने कहा कि विश्व की कुल गायों की संख्या के स्तर से देखा जाए तो हमारा देश इनकी संख्या के मामले में प्रथम स्थान रखता है। जबकि बकरियों व भैंसों के मामले में द्वितीय और तृतीय स्थान पर हैं। वहीं अंडा उत्पादन के मामले में तृतीय स्थान पर है।उन्होंने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था में कृषि का योगदान 18न्न है उसमें पशुपालन का योगदान एक तिहाई से भी अधिक है। इस

प्रशिक्षण के अवसर पर पशुपालन विभाग के डॉक्टर योगेंद्र गुप्ता ने पशुओं में होने वाले प्रमुख रोग एवं नियंत्रण विषय पर विस्तार से जानकारी दी। विश्वविद्यालय के पशुपालन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ पीके उपाध्याय ने गाय एवं भैंसों में नस्ल सुधार विषय पर विस्तार से बताया।

विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ वेदप्रकाश ने पशुओं में होने वाली बीमारियों से बचाव विषय पर जानकारी दी। प्रोफेसर डॉ एमपीएस यादव ने दुग्ध विपणन एवं प्रसंस्करण विषय पर विस्तार से प्रतिभागियों को बताया। सभी अतिथियों का स्वागत डॉक्टर पीके राठी ने किया जबकि प्रशिक्षण समन्वयक डॉ एस बी पाल ने प्रशिक्षण की रूपरेखा विस्तार से प्रस्तुत की। अतिथियों को धन्यवाद डॉक्टर सुभाष चंद्रा ने किया। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर एफबी पाल ने किया। इस अवसर पर डॉ धनंजय सिंह, डॉक्टर सोहनलाल वर्मा, डॉक्टर अनिल कुमार सिंह सहित अन्य अधिकारी एवं 25 से अधिक विभिन्न कृषि विज्ञान केंद्र से आए कृषि वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सहारा
कानपुर • मंगलवार • 21 दिसम्बर • 2021

'देश की अर्थव्यवस्था में पशुपालन का महत्वपूर्ण स्थान'

कानपुर (एसएनबी)। सीएसए कृषि विवि में सोमवार को पशुपालन पर केन्द्रित वैज्ञानिक कार्यक्षमता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. अरविंद कुमार सिंह ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था में पशुपालन का महत्वपूर्ण स्थान है। विश्व की कुल गायों की संख्या के आधार पर भारत विश्व में

सीएसए में आयोजित वैज्ञानिक प्रशिक्षण कार्यक्रम में पशुपालन के महत्व बताते वैज्ञानिक । फोटो : एसएनबी

प्रथम स्थान पर है, जबकि बकरियों व भैंसों के मामले में द्वितीय और तृतीय स्थान पर है। अंडा उत्पादन के मामले में भारत तृतीय स्थान पर है। उन्होंने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था में कृषि का योगदान 18 प्रतिशत है, जिसमें पशुपालन का योगदान एक तिहाई से भी अधिक है। प्रशिक्षण के तहत पशुपालन विभाग के डॉ. योगेन्द्र गुप्ता ने पशुओं को होने वाले रोग व उसके निदान, विवि के पशुपालन विभागाध्यक्ष डॉ. पीके उपाध्याय ने गाय व भैंसों में नस्ल सुधार, विवि प्रोफेसर डॉ. वेद प्रकाश ने बीमारियों से पशुओं के बचाव, प्रोफेसर डॉ. एमपीएस यादव ने दुग्ध विपणन एवं प्रसंस्करण विषय पर व्याख्यान दिये। डॉ. पीके राठी व डॉ. एसवी पाल के समन्वयन में आयोजित कार्यक्रम में डॉ. सुभाष चन्द्रा, डॉ. धनंजय सिंह, डॉ. सोहनलाल वर्मा व डॉ. अनिल कुमार सिंह आदि ने भागीदारी की।